राजस्थान GK

राज्य में प्रमुख मिट्टियाँ

महत्वपूर्ण नोट्स

www.rajasthanclasses.in

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

राजस्थान क्लासेज

Download More PDF....

लाइव क्लासेज
सभी प्रश्नोत्तरी PDF
Click Here डाउनलोड

राजस्थान GK नोट्स
महत्वपूर्ण- महत्वपूर्ण नोट्स
सम्पूर्ण PDF
Click Here डाउनलोड

Soil of Rajasthan (राजस्थान की मिट्टीयाँ)

1. रेतीली मिट्टी –

यह मिट्टियाँ चार प्रकार की होती है –

(1) रेतीली बालू मिट्टी

(2)लाल रेतीली मिट्टी

(3) पीली-भूरी रेतीली

(4)खारी मिट्टी

इस मिट्टी का विस्तार राजस्थान में जोधपुर, जयपुर, चूरू, नागौर ,जैसलमेर, पाली आदि जिलों में पाया जाता है ।

मिट्टी के कण अत्यधिक मोटे होने के कारण नमी का अभाव होता है , अतः इस प्रकार की मिट्टी में खरीफ की फसल हो सकती है ।

2. भूरी और रेतीली मिट्टी –

यह मिट्टी मुख्यतया अरावली के पूर्वी भाग में बनास व उसकी सहायक नदियों के क्षेत्र में पाई जाती है ।

इस मिट्टी का रंग भूरा होता है तथा इसमें नाइट्रोजन और फॉस्फोरस लवणों का अभाव पाया जाता है।

यह मिट्टी टोंक ,बूंदी ,सवाई माधोपुर ,भीलवाड़ा, उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ जिले में पाई जाती है ।

Wisit Website

www.rajasthanclasses.in

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

राजस्थान क्लासेज

3. लाल बलुई मिट्टी-

यह मरुस्थलीय भागों में पाई जाने वाली लाल रंग की मिट्टी है ।

इसमें नाइट्रोजन व कार्बनिक तत्वों की कमी पाई जाती है ।

इसका विस्तार जालौर ,जोधपुर, नागौर, पाली, बाड़मेर ,चुरु ,झुन्झनू जिले में है ।

4. लाल दोमट मिट्टी –

यह बारीक कणों तथा नमी धारण करने वाली लाल मिट्टी है ।

इसमें लौह ऑक्साइड के लवण अधिक होने के कारण इसका रंग लाल होता है ।

इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और कैल्सियन लवणों की कमी पाई जाती है ।

यह मिट्टी दक्षिण राजस्थान के डूँगरपुर ,बाँसवाड़ा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिले में पाई जाती हैं ।

विशेष रूप से मक्के के उत्पादन हेतु उपयुक्त है ।

5. **पर्वतीय मिट्टी** –

यह मिट्टी अरावली की उपत्यका में पाई जाती है ।

इस मिट्टी का रंग लाल से लेकर पीले भूरे रंग का होता है ।

मिट्टी की गहराई कम होने के कारण इस पर खेती नहीं की जा सकती है ।

इसका विस्तार सिरोही ,उदयपुर ,पाली ,अजमेर और अलवर जिलों के पहाड़ी भागों में है ।

6. जलोढ़ या दोमट मिट्टी –

जलोढ़ मिट्टी नदियों के पानी द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी होती है । इसका रंग पीला होता है ।

यह बहुत उपजाऊ होती है तथा इसमें नमी बहुत समय तक मौजूद रहती है ।

इसमें नाइट्रोजन व कार्बनिक लवण पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं ।

इसमें खरीफ व रबी दोनों प्रकार की फसलें उत्पन्न की जाती है ।

यह मिट्टी अलवर ,जयपुर ,अजमेर, टोंक ,सवाई माधोपुर ,भरतपुर ,धौलपुर ,कोटा आदि जिलों में पाई जाती है ।

यह गेहूं ,चावल ,कपास व तंबाकू की फसल के लिए उपयोगी है ।

इस मिट्टी को **कछारी मिट्टी** भी कहा जाता है ।

सामान्य विज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Click Here

भारत GK

◆ प्रश्नोत्तरी ◆ नोट्स

सम्पूर्ण PDF

Click Here डाउनलोड

7. काली मिट्टी –

इस मिट्टी में बारीक कण ,नमी धारण की उच्च क्षमता होती हैं ।

काली मिट्टी में फास्फेट, नाइट्रोजन एवं जैविक पदार्थों की अल्पता तथा कैल्शियम एवं पोटाश की पर्याप्तता होती है ।

यह मिट्टी कपास व नकदी फसलों हेतु उपयुक्त होती है ।

इसका विस्तार राज्य के दक्षिणी- पूर्वी भाग कोटा, बूंदी ,बाराँ एवं झालावाड़ में है ।

8. लवणीय मिट्टी –

ऐसी मिट्टी में अधिक सिंचाई करने से लवणों का जमाव हो जाता है ।

इस मिट्टी में क्षारीय व लवणीय तत्वों की अधिकता के कारण अनुपजाऊ होती है ।

यह मिट्टी श्री गंगानगर ,बीकानेर ,बाड़मेर एवं जालौर जिले में पाई जाती है ।

सेम की समस्या जिप्सम डालकर दूर की जाती है ।

Wisit Website

www.rajasthanclasses.in

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

राजस्थान क्लासेज

९. सीरोजम या धूसर मरुस्थलीय मिट्टी –

इस मिट्टी को अरावली के पश्चिम में रेत के छोटे टीलों वाले भाग में पाए जाने के कारण धूसर मरुस्थली मिट्टी भी कहते हैं ।

इसका रंग पीला भूरा होता है तथा इसमें नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की कमी होने के कारण उर्वरा शक्ति कमजोर होती है ।

यह मिट्टी पाली ,नागौर, अजमेर व जयपुर जिलों में पाई जाती है ।

राजस्थान की मिट्टियों (rajasthan ki mitiya) का नई वैज्ञानिक पद्धति से वर्गीकरण (अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर)

विभिन्न जिलों में पाई जाने वाली मिट्टियों की उपस्थिति व उसमें उपस्थित लवणों के आधार पर वैज्ञानिकों ने आधुनिक पद्धति का उपयोग करके मिट्टियों को निम्न वर्गों में बांटा है –

(1) एरिडीसोल (Aridisols)

एरिडीसोल राजस्थान की शुष्क जलवायु में पाई जाने वाली मृदाएँ हैं । यह मिट्टी राज्य के चूरू, सीकर ,झुंझुनू ,नागौर ,जोधपुर ,पाली और जालौर जिले के कुछ क्षेत्रों में विस्तृत है ।

(2) अस्फीसोल्स (Alfisols)

इन प्रकार की मृदा में अरजिलिक संस्तर उपस्थित होते हैं जिनमें ऊपरी सतहों की तुलना में मटियारी मिट्टी की प्रतिशत मात्रा अधिक होती है ।

इस प्रकार की मिट्टियों से ढका हुआ क्षेत्र राज्य के जयपुर ,अलवर, दौसा, भरतपुर ,सवाई माधोपुर, टोंक ,भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,बाँसवाड़ा ,राजसमंद उदयपुर, डूँगरपुर ,बूँदी ,कोटा,बाराँ व झालावाड़ जिले में पाया जाता है ।

(3) एन्टिसोल (Entisols)

पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में इस समूह की मृदाएँ पाई जाती है । इसका रंग प्राय: हल्का पीला-भूरा होता है ।

(4) इनसेप्टिसोल्स (Inceptisols)

इस प्रकार की मृदा राज्य में सिरोही, पाली, राजसमंद ,उदयपुर ,भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले में विस्तृत है ।

(5) वर्टीसोल्स (Vertisols)

इस मिट्टी में अत्यधिक क्ले(Clay) उपस्थित होते हैं। मटियारी मृदा की सभी विशेषताएं वर्टिसोल्स में पाई जाती हैं ।

यह मृदा राज्य के झालावाड़, बाराँ, कोटा तथा बूंदी जिलों के अधिकतर क्षेत्रों में विस्तृत है ।

परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न

राजस्थान GK

PDF DOWNLOAD

महत्वपूर्ण- महत्वपूर्ण प्रश्न

CET 2022

राजस्थान GK

परीक्षा संभावित प्रश्न

भारत सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

RAJASTHAN

CET 10+2

सम्पूर्ण कोर्स

RAJASTHAN CLASSES

YouTube Website

- AADARSH SIR

CET 10+2 Level

निशुल्क कोर्स

अब करें दमदार तैयारी

LIVE / PDF / NOTES

Free Online Platform

RAJASTHAN CET

सामान्य हिन्दी

Download Now

सामान्य ज्ञान

5100+ प्रश्न

कम्प्यूटर ज्ञान

E-Book

~~149/-~~ - Free Now

लाइव क्लासेज
सभी प्रश्नोत्तरी PDF
Click Here डाउनलोड

राजस्थान GK नोट्स
महत्वपूर्ण- महत्वपूर्ण नोट्स
सम्पूर्ण PDF
Click Here डाउनलोड

सामान्य विज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Click Here

भारत GK

◆ प्रश्नोत्तरी ◆ नोट्स

सम्पूर्ण PDF

Click Here डाउनलोड